निर्देश नहीं दिए हैं। तथापि, न्यायालय ने दिनांक 13.11.1998 के अपने आदेश में आशा व्यक्त की है कि समिति जितनी तेजी से संभव हो, इस कार्य को पूरा करने की स्थिति में होगी, और समिति को निदेश दिया है कि वह दिनांक 28.2.99 तक न्यायालय में मोहरबंद लिफाफे में प्रगति-रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

Education of Low Income Family Children in Himachal Pradesh

2261. SHRI ANIL SHARMA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that children hailing from low income families in Himachal Pradesh do not complete school education;

(b) if so, whether any survey has been done on this issue;

(c) what are the general finding of the survey; and

(d) in what manner Government propose to ensure that such children complete their schooling?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) to (c) As per survey of 6—11 age group children conducted by the Himachal Pradesh Government, 20509 children were not going to school. As per the National Family Health Surevy 1992-93, 90.8% of the defacto household population of age 6 to 14 years were attending school in Himachal Pradesh. As per the 50th Round of National Sample Survey (1993-94), per thousand distribution of Children in the 5 to 14 age group, 86% children in the rural areas and 92.5% children in urban areas were currently attending schools.

(d) Himachal Pradesh has been taken up under the District Primary Education Programme and funds under the scheme of Operation Blackboard are also made available as per guidelines for improving educational facilities.

प्रौढ़ों में व्याप्त निरक्षरता

2262. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में प्रौढ़ों में व्याप्त निरक्षरता को समाप्त करने के लिए कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो क्या देश में प्रौढ़ों में व्याप्त निरक्षरता को पूर्णतः समाप्त करने हेतु समय-सीमा के संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में निर्धारित लक्ष्य क्या हैं;

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार द्वारा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वार्षिक निधि भी आंवटित कर दी गई है; और

(ग) यदि हां, तो वर्ष 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के दौरान वर्ष-वार आबंटित निधि तथा वर्ष 1998-99 की प्रथम छमाही में जारी निधि कितनी है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (डा० मुरली मनोहर जोशी): (क) से (ग) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य 15-35 वर्ष की आयु वर्ग में 100 मिलियन निरक्षर व्यक्तियों को समयबद्ध ढंग से कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना है। साक्षरता अभियान इसकी प्रमुख कार्यनीति है। इस समय प्रौढ़ों में पूर्ण रूप से निरक्षरता उन्मूलन की समय-सीमा के बारे में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

(घ) और (ङ) 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के दौरान प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए वर्षवार क्रमशः 234.00 करोड़ रु०, 224.50 करोड़ रु० तथा 127.00 करोड़ रु० की निधियां आवंटित की गई। 30 सितम्बर, 1998 तक इन कार्यक्रमों के लिए 18.14 करोड़ रु० की निधियां आवंटित की गई हैं।

पूर्ण साक्षरता के लिए योजनाएं

2263. **श्री जर्नादन यादव:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा पूर्ण साक्षरता लाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं तैयार की जा रही है;/कौन-कौन से उपाए किये जा रहे हैं;

(ख) क्या शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से इस संबंध में कोई सहायता मिली है;

(ग) क्या राज्य सरकारों से सहायता के अलावा, साक्षरता योजना के लिए गैर-सरकारी संगठनों की सहायता भी ली जाएगी; और

(घ) क्या साक्षरता अभियान के कार्यकरण की समीक्षा की जा रही है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (डा० मुरली मनोहर जोशी): (क) देश में पूर्ण साक्षरता लाने की दृष्टि से वर्ष 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना की गई थी और इस स्वयंसेवक आधारित संपूर्ण साक्षरता अभियानों के माध्यम से 15-35 वर्ष की आयु वर्ग में 100 मिलियन व्यक्तियों को साक्षर बनाने का दायित्व सौंपा गया है। ये अभियान जिलों द्वारा तैयार की गई परियोजनाओं के आधार पर शुरू किए गए हैं। संपूर्ण साक्षरता अभियान जिला साक्षरता समितियों द्वारा कार्यान्वित किए जाते हैं, इनमें स्वैच्छिक एजेंसियों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। जिन स्थानों में अभी तक संपूर्ण साक्षरता अभियान शुरू नहीं किए जा सके हैं, उन स्थानों के छोटे-छोटे क्षेत्रों में साक्षरता संबंधी कार्य आरंभ करने के लिए स्वैच्छिक एजेंसियों को सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) अभी हाल ही में हुए शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में साक्षरता कार्यक्रमों का आंकलन तथा मूल्यांकन करने का एक अवसर प्रदान किया। उक्त सम्मेलन में यह आम राय बनी थी कि साक्षरता कार्यक्रमों और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा समाज के जिन क्षेत्रों में यह कार्यक्रम नहीं पहुंच सका है उन क्षेत्रों में इसे आरंभ किया जाए सम्मेलन ने शैक्षिक योजना तैयार करने की दिशा में साक्षरता को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में अभिनिर्धारित किया।

(ग) गैर सरकारी संगठनों तथा अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल किया जाना साक्षरता कार्यक्रमों की नीति का एक महत्वपूर्ण अंग है। गैर सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण, सामग्री विकास, अध्यापन, वातावरण निर्माण तथा शिक्षार्थियों को वास्तविक साक्षरता प्रदान करने और उन्हें अंकीय दक्षता हासिल कराने में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है।

(घ) भारत सरकार ने देश में संपूर्ण साक्षरता अभियानों की स्थिति एवं प्रभावी मूल्यांकन का जायजा लेने के लिए वर्ष 1993 में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। समय समय पर विभिन्न स्तरों पर इसकी समीक्षाएं की गई जिनमें प्रधान मंत्री की कराई गई समीक्षा भी शामिल है। अभी हाल ही में दिनांक 24 अगस्त, 1998 को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन परिषद की बैठक हुई जिसमें प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की प्रगति पर चर्चा करके समीक्षा की गई।

Recognition to Employees' Associations of KVS

2264. SHRI PARAG CHALIHA:
SHRI GOVINDRAM MIRI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as per CCS (Recognition of Service Association) Rules 1993 different associations representing different categories of employees have been accorded recognition by Kendriya Vidyalaya Sangathan;

(b) if so, the details of recognised associations of KVS as ondate, category-wise;

(c) whether a teachers' association can represent non-teaching staff grievances and vice-versa; and

(d) if not, why such discussions were reportedly held in the AIKVTA-KVS meeting held on 7th November, 1987?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) Yes, Sir.

(b) The details of category-wise recognised associations of Kendriya Vidyalaya Sangathan as on date are as under:—

1. All India Kendriya Vidyalaya Teachers Associations (AIKVTA) and
2. Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh (Jagat) (RKVAS (J)); cover post Graduate Teachers and all Gr. 'C' employees belonging to teaching profession in Kendriya Vidyalayas. Laboratory Assistants also form part of this category.
3. All India Kendriya Vidyalaya Non-Teaching staff Association (KEVINTSA) cover all Gr. 'B',

2136 GIPMR/99—6B